नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

छात्र आंदोलन; संवाद ही समाधान का एकमात्र मार्ग

दिल्ली की सड़कें एक बार फिर देश की युवा ऊर्जा, आक्रोश और उम्मीदों की गवाह बनी हैं. जंतर-मंतर पर चल रहे छात्रों के आंदोलन और संसद परिसर के बाहर हुए प्रदर्शन ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न पूरे देश के सामने खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे युवाओं को अपने भविष्य को लेकर पर्याप्त भरोसा मिल पा रहा है? प्रतियोगी परीक्षाओं में अनिश्चितता, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, पारदर्शिता को लेकर उठते सवाल और रोजगार की चिंता ने बड़ी संख्या में छात्रों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया है. यह केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था से विश्वास बहाल करने की मांग भी है.

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी बात से मापी जाती है कि वह असहमति को किस संवेदनशीलता से सुनती और उसका समाधान खोजती है. जब देश का पढ़ा-लिखा और मेहनती युवा अपनी पढ़ाई छोड़कर प्रदर्शन करने को विवश हो जाए, तब इसे केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा. यह संकेत है कि संवाद और विश्वास के बीच कहीं न कहीं दूरी बढ़ी है.

सरकार की पहली जिम्मेदारी इस असंतोष को गंभीरता से समझने की है. युवाओं की चिंताओं को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय उन्हें राष्ट्र की अमूल्य पूंजी मानकर संवाद का रास्ता अपनाया जाना चाहिए. यदि परीक्षा प्रणाली, भर्ती प्रक्रिया या परिणामों को लेकर कोई भ्रम या शिकायत है, तो उसे समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से दूर किया जाना चाहिए. छात्र संगठनों और अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर स्पष्ट रोड मैप प्रस्तुत करना सरकार के प्रति विश्वास को मजबूत करेगा. पारदर्शी व्यवस्था केवल परीक्षाएं ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र में भरोसा भी मजबूत करती है.

साथ ही, आंदोलनरत छात्रों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. इतिहास गवाह है कि शांतिपूर्ण और अनुशासित आंदोलनों ने समाज और व्यवस्था में सबसे प्रभावी परिवर्तन किए हैं. यदि विरोध हिंसा, टकराव या अव्यवस्था का रूप ले लेता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और असामाजिक तत्व स्थिति का लाभ उठाने लगते हैं. इसलिए छात्रों को अपने आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण, संयमित और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रखना चाहिए.

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आंदोलन की आवश्यकता अपनी जगह है, लेकिन पढ़ाई और करियर से समझौता किसी भी युवा के हित में नहीं हो सकता. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय सबसे मूल्यवान संसाधन है. व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए भी अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटनी चाहिए. राष्ट्र को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो जागरूक भी हों और अपने भविष्य के प्रति प्रतिबद्ध भी. आज आवश्यकता किसी टकराव की नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण की है. सरकार को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देना होगा, वहीं छात्रों को धैर्य, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादा का पालन करना होगा. संवाद ही हर गतिरोध का सबसे प्रभावी समाधान है.

दिल्ली की सड़कों पर उठती युवाओं की आवाज केवल विरोध का स्वर नहीं, बल्कि एक सुरक्षित, निष्पक्ष और भरोसेमंद भविष्य की मांग है. यदि इस पुकार को समय रहते सुना गया, तो यही युवा शक्ति भारत के विकास की सबसे बड़ी ताकत बनेगी. यदि इसे अनसुना किया गया, तो असंतोष की यह गूंज और व्यापक हो सकती है. इसलिए समय की मांग है कि सरकार और युवा दोनों मिलकर समाधान का रास्ता चुनें, क्योंकि आश्वस्त युवा ही सशक्त राष्ट्र का सबसे मजबूत आधार होते हैं.

भारत-यूके सीईटीए | वादों को साकार करने का कदम

राजेश अग्रवाल

> इस समझौते का व्यापक महत्व भारत के 'विकसित भारत 2047 'के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है. दोनों साझेदारों के सामने अब विविधक्षेत्रों में किए गए वादों को लागू करने की चुनौती है. सीईटीए के लागू होने के साथ, भारत और यूनाइटेड किंगडमके पास आने वाले दशकों में एक ठोस, रचनात्मकएवंजन-केन्द्रितसाझेदारी बनाने का एक दुर्लभ मौका है.

यूनाइटेड किंगडम के साथ भारत का 'व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए)' भारत के विदेशी व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है. जहां पिछले कम से कम दो दशकों से भारत का आर्थिक एकीकरण पूर्वी एशियाई देशों के साथ जुड़ा हुआ था, वहीं यूनाइटेड किंगडम 1970 के दशक से ही यूरोपीय आर्थिक एकीकरण का हिस्सा रहा है. दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं के लिए, सीईटीएएक बहुत बड़े बदलाव और अपनी बाहरी आर्थिक साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है. जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हो जाने जाने के बाद, सभी घरेलू कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करके सीईटीए 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ.यह बातचीत से लेकर इसके लागू होने तक की संपूर्ण यात्रा को दर्शाता है. यह उत्सव मनाने की घड़ी और दोनों देशों के लिए अपने लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने का अवसर भी है.

सीईटीए भारत के मैन्यूफैक्चरिंग आधार, सेवा क्षेत्र की मजबूती और वैश्विकस्तर पर हमारे कुशल श्रमशक्ति की मांग में भरोसे को दर्शाता है. इस समझौते की खूबी यह है कि इसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए बाजार की सुलभता, सेवाओं की आवाजाही और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों को शामिल करने पर जोर दिया गया है.सीईटीएभरसक व्यापक है और यह भारत के नई पीढ़ी के व्यापार समझौतों के लिए एक आदर्श नमूना है.

इस समझौते का महत्व इसके पैमाने और संतुलन में भी निहित है.भारत और यूनाइटेड किंगडमके बीच आपसी व्यापार पहले ही लगभग 56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचचुका है और दोनों देशों ने 2030 तक अपने व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है.यह समझौता उस लक्ष्य को अपेक्षाकृत अधिक निश्चितता और सटीक पूर्वानुमान के साथ हासिल करने का ढांचा देने के साथ-साथ 'भारत-यूनाइटेड किंगडम रोडमैप 2030 'की व्यापक रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है.यह समझौता उस विजन को साकार करनेकी दिशा में एक अहम कदम है और इसका असर समय के साथ दिखाई देगा. इस समझौते की एक मुख्य विशेषता भारतीय निर्यातों के लिए बाजार की सुलभता सुनिश्चित करना है.भारतीय सामानों को यूनाइटेड किंगडममें लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच (ड्यूटी-फ्री एक्सेस) मिलेगा, जिसमें व्यापार मूल्य का लगभग शत-प्रतिशत हिस्सा शामिल होगा.इससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, समुद्री उत्पाद, खेल का सामान, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (प्रोसेस्ड फूड) जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी.

इन क्षेत्रों का अनुमानित मूल्य लगभग 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर है.ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत के पास बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, कौशल तथानिर्यात करने की काबिलियत हैऔर जहांबाजारकी सुलभता सीधे तौर पर नौकरियों एवंअधिक आमदनी के अवसरों में बदल सकती है. यूनाइटेड किंगडमके परिधानोंएवंघरेलूवस्त्र बाजार में 6.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ एक बड़े आपूर्तिकर्ता के तौर पर, सीईटीए से भारत के वस्त्रएवं परिधान उद्योग को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है. इससे चीन, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई आपूर्तिकर्ता देशों के साथ भारत के अंतर को पाटने में भी मदद मिलेगी.इससे भारत को यूनाइटेड किंगडमके 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चमड़ाएवं फुटवियर बाजार में निर्यात करने का एक बड़ा मौका भी मिलेगा.यह समझौता सिर्फ टैरिफ में राहत से ही नहीं, बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे व्यवसायों, कारीगरों और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए अधिक नौकरियां तथा बाजार के अवसर सृजित करने से भीजुड़ा है.

यह समझौता खेती, मछली पालन (खासकर फ्रोजन झींगे तथा प्रॉन) और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े निर्यात के लिए भी नई संभावनाएं खोलता है. साथ ही, इस समझौते को भारत के संवेदनशील क्षेत्रों ङ्क जैसे कि डेयरी, सेब, अनाज और खाद्य तेल ङ्क की सुरक्षा को ध्यान में रखकरबेहद सावधानी से तैयार किया गया है.इनमें से कुछ संवेदनशील उत्पादों को या तो बाहर रखा गया है या टैरिफ रेट कोटा या फिर चरणबद्ध उदारीकरण के जरिए सुरक्षित किया गया है. दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से सेवा-आधारित होती जा रही हैऔर दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं को इसमें तुलनात्मक रूप से ठोस फायदे हासिल हैं. सीईटीए में भारत के निर्यात की दृष्टि से अहम सभी बड़े सेवा क्षेत्र और 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं.

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

युद्ध और भड़कने से भारत को चिंता

भारत मे महंगाई बढ़ने की एक बड़ी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध भी है. युद्ध से पर्यावरण को भारी क्षति हो रही है. इससे मौसम गर्म हो रहा है व बाढ़ की स्थितियां बन रही हैं.

अमेरिका और ईरान का युद्ध फिर से अत्यंत मारक व घातक होता जा रहा है. खाड़ी देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर ईरान बड़े पैमाने पर हाईस्पीड मिसाइलें दाग रहा है, ताकि अधिकतम क्षति हो. ईरान का आरोप है कि समझौता टूटने के बाद से बढ़ी शत्रुता के दौरान अमेरिका के हमलों में उसके 50 लोग मारे गए तथा 500 से अधिक घायल हुए हैं. भारत को चिंता है कि पश्चिम एशिया में बड़ी तादाद में भारतीय रहते हैं और वहां काम करते हैं. वह कारखानों व निर्माण क्षेत्र के अलावा जहाजों में भी खलासी हैं. 28 फरवरी से युद्ध शुरू होने के बाद से 14 भारतीय मारे गए हैं तथा अनेक लापता हैं. भारत ने अमेरिका व ईरान दोनों को अपनी चिंता से अवगत कराया है तथा खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों को निशाना नहीं बनाने की अपील भी की है. जिनका इस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है. इस युद्ध का भारत की आर्थिक स्थिति पर भी गंभीर असर पड़ रहा है. भारत विभिन्न देशों से तेल खरीदता है, जिसमें रूस से खरीदे जाने वाले तेल की मात्रा अधिक है. अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है. खाड़ी युद्ध से ऊर्जा संकट बढ़ रहा है. भारत ने अमेरिका व ईरान दोनों से कहा है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर न धकेलें, बल्कि वार्ता और कूटनीति के जरिए अपने विवाद को सुलझाएं. ट्रंप के टैरिफ कदमों को अमेरिकी सीनेट का व्यापक समर्थन मिला है. अमेरिका के हमलों से ईरान का आधारभूत ढांचा नष्ट होता जा रहा है. वहां के शहर खंडहर में बदल चुके हैं. भारत के सहयोग से निर्मित चाबहार बंदरगाह ध्वस्त हो चुका है. भारत ने अनेक देशों से क्रूड ऑयल खरीद का अनुबंध किया है, इसलिए होर्मुज की खाड़ी से टैंकर यातायात रुक जाने पर भी उसका काम चल रहा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

दिल्ली डायरी

संसद में दो तिहाई बहुमत को लेकर गुणा-भाग शुरू

प्रवेश कुमार मिश्र

संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार 131 वें संविधान संशोधन यानी परिसीमन विधेयक 2026 को पारित कराने के लिए विशेष बहुमत दो-तिहाई यानी 360 सांसदों का समर्थन जुटाने के प्रयास में लगी हुई है. चर्चा है कि टीएमसी व शिवसेना उद्धव गुट से अलग हुए सांसदों को राजग खेमे में जोड़ने के बाद सरकार के रणनीतिकार अब डीएमके जैसे दलों से समर्थन प्राप्त करने की कोशिश में लगे हैं.

इतना ही नहीं यह भी प्रयास किया जा रहा है कि कांग्रेस, सपा, राजद व जेएमएम के कुछ सांसद सदन के अंदर जब वोटिंग का समय आए तो वे अनुपस्थित होकर इस विधेयक को पारित कराने में परोक्ष मदद करें. जबकि कांग्रेसी रणनीतिकार विपक्षी दलों को एकजुट रखकर सरकार को जादुई आंकड़ा छूने से रोकने की रणनीति बना रहे हैं.

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की सुगबुगाहट

पिछले दिनों एनसीपी नेता शरद पवार द्वारा किए राजनीतिक मेल मिलाप के बाद चर्चा है कि एनसीपी के दोनों धड़े एक हो सकते हैं तथा राजग खेमे का हिस्सा बन सकते हैं. दिल्ली और मुंबई के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि भाजपा ने शरद पवार गुट के सामने शर्त रखी है कि एनडीए में सीधे एंट्री के बजाय पहले उन्हें अजीत पवार गुट के साथ विलय करना होगा.

चर्चा है कि राकांपा (एसपी) के जयंत पाटिल और अजीत गुट के प्रफुल्ल पटेल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से गुप्त मुलाकातें की हैं, जिससे इस चर्चा को और बल मिला. हालांकि अभी अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार इस विलय का कड़ा विरोध कर रहे हैं. उनका मानना है कि विलय से शरद पवार और सुप्रिया सुले का प्रभाव पार्टी पर फिर से बढ़ जाएगा.

भाजपा बेचैन

नीट पेपर लीक के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग व शिक्षा नीति में बदलाव को लेकर अनशन पर बैठे प्रसिद्ध शिक्षा सुधारक और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक व काकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर मानसून सत्र के पहले दिन जिस तरह से दिल्ली के जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों का हुजूम उमड़ा था उसको देखकर भाजपाई रणनीतिकार परेशान बताए जा रहे हैं. कहा जा रहा है कि दिल्ली पुलिस द्वारा छात्रों पर किए गए बल प्रयोग के कारण जिस तरह का संदेश निकला है उसके दूरगामी प्रभाव को भांपकर सरकार व पार्टी बेचैन है.

इतना ही नहीं जिस तरह से कांग्रेस पार्टी व नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी ने घायल बच्चों से मुलाकात कर सरकार को घेरने का प्रयास आरंभ किया है उसके कारण भी भाजपाई रणनीतिकारों के होश उड़े हुए हैं.राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस सुलगते आक्रोश से बचने के लिए सरकार की ओर से जल्द कोई ठोस फार्मूले के साथ बयान दिया जा सकता है.

कर्नाटक फार्मूला अपनाएगी कांग्रेस

पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस खेमे में राजनीतिक सरगर्मियां अचानक तेज हो गई है.वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी खींचतान को शांत करना पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है.चुनाव से ठीक पहले गुटबाजी पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने 'कर्नाटक मॉडल' को अपनाने का फैसला किया है. इसके तहत पंजाब में कांग्रेस एकता बस यात्रा शुरू करने की योजना बनाई गई है, जिसमें सभी दिग्गज नेता एक साथ एक ही विशेष बस में सवार होकर पूरे पंजाब का दौरा करेंगे. इस यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए राहुल गांधी को आमंत्रित किया गया है.

निशानेबाज

अदालत में मामला काफी गंभीर क्या ताजमहल था शिव मंदिर?

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, लगभग 60 साल पहले हिंदूवादी इतिहासकार पपी.एन. ओक ने दावा किया था कि ताजमहल वास्तव में हिंदू राजपूत राजा द्वारा बनवाया गया भव्य शिवमंदिर था और उसका असली नाम 'तेजोमहालय' था. अब फिर से यह मुद्दा उठा है. इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिसमें ताजमहल परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई है. इससे पता चल सकेगा कि वहां पहले मंदिर था या नहीं! खास बात यह है कि याचिका भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनागेश्वर विराजमान तेजोमहालय के माध्यम से उनके निकट मित्र हरिशंकर जैन व अन्य 5 याचिका कर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल की गई है.'

हमने कहा, थोडी देर के लिए मान लीजिए कि अगर आगरा के ताजमहल को शिव मंदिर मान लिया गया, तो इस प्रेम के प्रतीक का क्या होगा, जिससे शाहजहां और उनकी बेगम मुमताज महल की प्रेमकहानी जुड़ी हुई है. इसे लेकर शकील बदायूनी ने लिखा था - एक बादशाह ने बनवा के हसीं ताजमहल सारी दुनिया को मोहब्बत की निशानी दी है. दूसरी ओर साहिर लुधियानवी ने लिखा था एक बादशाह ने बनवा के हसीं ताजमहल, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक ! कहते हैं कि शाहजहां के 14 वें बच्चे को जन्म देते समय मुमताज महल की मृत्यु हो गई. अपनी इस बेगम की याद अमर करने के लिए शाहजहां ने राजस्थान के मकराना से हाथियों के जरिए संगमरमर की चट्टानें लाकर हजारों कुशल कारीगरों से ताजमहल का निर्माण करवाया था. यह भी किंवदंती है कि बादशाह ने कारीगरों को काफी धन देकर मालामाल तो कर दिया, लेकिन उनके दोंनों हाथ कटवा दिए ताकि फिर वह कभी ऐसी बेमिसाल इमारत न बना सकें. विश्वभर के पर्यटक ही नहीं, राजनेता भी दिल्ली आने के बाद आगरा जाकर ताजमहल का दीदार करते हैं. वह संगमरमर की बेंच पर बैठकर ताज के बैकग्राउंड में अपना फोटो खिचवाते हैं. यदि ताजमहल शिवमंदिर साबित हुआ, तो यह सारा मिथक टूट जाएगा. फिर वहां कोई पर्यटक नहीं आएगा.

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, काबिल वकील हरिशंकर जैन ने बाबरी मस्जिद मामले में हिंदुओं का पक्ष रखा था. वह काशी और मथुरा का मामला भी देख रहे हैं. अब ताजमहल की बारी है. वह दलील दे सकते कि मुगलों ने मंदिर तोडकर वहां मस्जिद और मकबरा बनाया. हमारा कहना है कि प्यार को प्यार ही रहने दो, कोई नाम न दो !

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12326 -डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. बहुत बड़ा, महत्तर, महान, भारत के मुगल राजवंश का तीसरा बादशाह (उर्दू) 4. अन्न 6. स्पष्ट पर मंद स्वर में किया जाने वाला उच्चारण (सं.) 7. समझ, बुद्धि 8. एक वृक्ष या उसका लंबा गूदेदार फल, कदली 9. हीन, ओछा, नीच 10. दूसरा, और, भिन्न 11. कामदेव, एक प्रसिद्ध आयुर्वेद का रस, लौंग..., अहिरावण का एक द्वारपाल 13. वह रचना जो छंदोबद्ध न हो 14. दूध पीता बच्चा (सं.) 16. सिलाई करना 18. बीस वस्तुओं का समूह, कोड़ी 19. पदार्थ का वह गुण जिसका ज्ञान केवल आंखो द्वारा ही होता है 20. वैमनस्य, मनमुटाव 22. दारचीनी जाति का एक सदाबहार वृक्ष जिसके पत्ते तेजपान कहलाते है 23. धोखा देकर माल लूटना, छल करना

ऊपर से नीचे

1. बिनाघर का, खानाबदोश, (सं.) 2. लक्ष्मी, धन-संपत्ति (सं.) 3. बुरा, खराब, अशुभ 4. अतिशय, बहुत, ज्यादती 5. बहुत बुरा या निंदनीय, चरम, नीच 7. एक प्रकार का उड़ने वाला पतंगा जिसके काटने से कई रोग हो जाते हैं 9. काफिया, कविता के दोनों चरणों के अंतिम अक्षरों का परस्पर मेल 10. अपरिचित, अनजान 11. शराबी, मद्य पीने वाला 12. नष्ट, ढहा हुआ 13. किल्ले का बुर्ज, वह ऊंचा स्थान जहां से शत्रु का पता लगाया जाता है 15. किसी घन पदार्थ में मिले हुए द्रव अंशों का रस-रसकर बहना, चित्त में दया उत्पन्न होना 16. जल्दी से, चटपट 17. नींबू की जाति का एक फल, पीलापन लिए हुए कुछ लाल रंग का 21. मूर्ख, दुष्ट

Solution 12325

छा	प	ना		मे	ह	मा	न
ती	र		श	ह	र	दा	र
	व	शी	क	र	ण		मि
पा	रि	त		चा		श	ह
क	श		ला	न	ब	र	
शा		ना	ती		ध	मा	का
ला	भ	दा	य	क		ना	ली
	व	न		दा	नि		न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी. व्यर्थ वाद विवाद होगा. व्यय में वृद्धि होगी. मानसिक अशांति रहेगी. वर्ष के मध्य मेंशासन से लाभ तथा व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा. सामाजिक कार्य में ख्याति प्राप्त होगी. वर्ष के अन्त में भागदौड़ से सफलता मिलेगी. आर्थिक योजना में लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को ख्याति प्राप्त होने का योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को परिश्रम और भागदौड़ की अधिकता रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को व्यय में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को प्रसिद्धि का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक कोमल तथा नर्म शरीर वाला भावुक निडर, और परिश्रमी होगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. विद्या के क्षेत्र में उन्नति होगी.माता पिता को सुखी रखेगा.

मेष- विवाहित वैवाहिक चर्चाओंको लेकर उत्साही रहेंगे. अटका धन बसूल करलेंगे. पारिवारिक दायित्वों की पूर्तिहोगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा.

वृषभ- जो काम सोचकर निकले हैं, उसे पूरा करके ही दम लेंगे. जो लोग उसके प्रभाव से नतमस्तक होंगे. संतान पक्ष से सुख सम्मान मिलेगा. विश्वसनीयता बनी रहेगी.

मिथुन- लेनदेन के मामले आपसी सहमति से सुलझ जायेंगे. जोखिम के कार्यों को टालना हितकर रहेगा. महिला जाति की सलाह लेना उपयोगी सिद्ध होगी.

कर्क- जिस कार्य को आप हल्के में ले रहे थे, वही आपके लिये परेशानी का कारण बनेगा. वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा. लगन और निष्ठा बनी रहेगी.

सिंह- सुख सुविधा पर खर्च होगा. अधिकारियों के मेलजोल का लाभ मिलेगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी निजी कार्य में व्यस्तता रहेगी.

कन्या- टकराव छोड़कर कार्य पर ध्यान दे, सफलता मिलेगी. मित्रों एवं कुटुम्बियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

तुला- उच्च अध्ययन में बेहतर सफलता मिलेगी. मांगलिक यात्रा संभव है. कामकाज के प्रति लगन एवं निष्ठा रहेगी. कार्य बनने का योग है.

वृश्चिक- विवादों से बचने का प्रयास करें. सहयोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेगा. आय एवं व्यय में समानता रहेगी. कार्य की अधिकता रहेगी.

धनु- सहूलियत के हिसाब से कार्य योजना में बदलाव कर सकते है. दुविधा से छुटकारा मिलेगा. सुख साधनों में वृद्धि होगी. कामकाज पूरा होगा.

मकर- जो बात आपको दुखी कर रही है, उसका समाधान मिल जायेगा. राजनैतिक कार्यों में समस्या का समाधान होगा आकस्मिक लाभ की प्राप्ति होगी.

कुम्भ- बदलाव की स्थिति मेंसहयोगी नाराज हो सकते हैं. जटिल कार्य मित्रों के सहयोग से पूरे होंगे. भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा. स्वास्थ्य संबंधी कष्ट होगा.

मीन- धीमी शुरूआत के बाद काम में तेजी आयेगी, कारोबारी विस्तार की संभावना है. वाहन मशीनरी आदि कार्यों में सफलता मिलेगी. जोखिम के कार्यों को टालें.

उदयकालीन ग्रह चाल

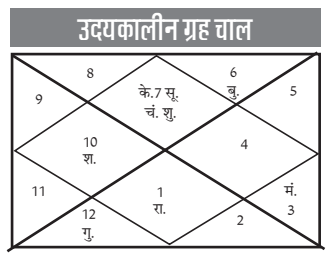

पंचांग

रा.मि. 31 संवत् 2083 आषाढ शुक्ल अष्टमीं बुधवासरे दिन 7/36, स्वाती नक्षत्रे रात 1/49, साध्य योगे रात 10/19, वव करणे सू.उ. 5/19, सू.अ. 6/41, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

आषाढ शुक्ल अष्टमीं को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, आदि धातुओं में नरमी के बाद तेजी होगी. गुड़ खांड़, शक्कर आदि के भाव में गिरावट आयेगी. जिस वस्तु में 10 बजे के बाद चाल बढ़ेगी, उसी में व्यापार कर लाभ उठायें. भाग्यांक 1599 है.

SUDOKU 7458

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

g प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. g पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. g पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7457

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8